Pending proposals of power generation from private sector

7610. SHRI JAGMOHAN: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether as many as 70 proposals for power generation from private sector are pending with Government;

(b) how many of these propsals involve import of fuel and how many are based upon the use of locally available fossil fuels;

(c) in what way Government propose to encourage the use of local fuel; and

(d) by when Government would take decisions on pending proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) No, Sir.

(b) As on date, proposals have been received in the CEA for setting up 22 power projects based on local fossil fuel and 2 thermal power projects based on imported fuel.

(c) and (d) The viability of the project including the viability of the use of imported fuel, vis-a-vis, local fuel is examined during the techno-economic clearance of the projects by CEA in the light of the import policy in force. CEA would take a decision when the prospective private power company submits complete information as well as the clearances required for setting up a power project including the statutory clearances.

चमेरा-प्रथम चरण परियोजना की निर्माण लागत

7611. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय पन बिजली निगम के अन्तर्गत चमेरा-प्रथम चरण परियोजना निर्माणाधीन है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस परियोजना की निर्माण लागत में 200 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस अनपेक्षित मूल्य-वृद्धि के कारणों का पता लगाया है ;

(घ) यदि हां, तो इस परियोजना की लागत वृद्धि के लिए जिम्मेदार ऐसे प्रत्येक कारण से इसमें कितनी-कितनी वृद्धि हुई है ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना में लागत वृद्धि होने के कारण प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन की लागत में भी वृद्धि होने की सम्भावना है ; और

(च) यदि हां, तो इस परियोजना द्वारा प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन की सम्भाव्य अनुमानित लागत कितनी है और यह देश में वर्तमानपन बिजली क्षेत्र के अंतर्गत उत्पादित प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन की लागत से कितनी अधिक है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) राष्ट्रीय जल विद्युत निगम के अंतर्गत चमेरा जल विद्युत परियोजना चरण–1 अप्रैल, 1994 में शुरू कर दी गई है ।

(ख) से (घ) परियोजना की निर्माण लागत 809.29 करोड़ रुपये से बढ़कर 2400 करोड़ रुपये दी गई है । परियोजना की लागत में 25.54 प्रतिशत की वृद्धि निर्माण अवधि के दौरान मूल्य अभिवृद्धि के कारण हुई है, 36.75 प्रतिशत वृद्धि इस अवधि के दौरान उधार ली गई पूंजी पर बढ़े हुए ब्याज के कारण, 23.05 प्रतिशत विनिमय दर में घट-बढ समेत सांविधिक कारणों से, 7.14 प्रतिशत कार्यक्षेत्र में परिवर्तन होने के कारण और 7.51 प्रतिशत अन्य मदों के कारण हुई है । ये अभिवृद्धियां अंशत:

परियोजना के निर्माण के दौरान सामने आई अप्रत्याशित भौगोलिक समस्याओं के परिणामस्वरूप परियोजना पूरा करने में लगे अतिरिक्त समय के कारण हुई है ।

(ङ) जी, हां ।

(च) चमेरा जल विद्युत परियोजना चरण-1 के मामले में विद्युत उत्पादन की लागत बस-बार 236.07 पैसे प्रति इकाई बैठती है । तथापि, विद्युत उत्पादन की लागत, परियोजना के स्थल और आकार, सम्मिलित सिविल कार्यों के परिमाण, वित्त पोषण के पैटर्न/स्रोत तथा परियोजना की पूर्ण, लागत के आधार पर एक परियोजना से दूसरी परियोजना के मामले में अलग-अलग होगी ।

विदेशी वित्तीय संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित विद्युत परियोजनायें

7612. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1993-94 के वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय के तहत तीस ऐसी परियोजनाएं थी जिनकी निर्माण लागत विदेशी वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई थी लेकिन जिनका निर्माण कार्य निर्धारित समयानुसार पूरा नहीं किया जा सका था ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और इन परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता कितनी है ; और

(ग) किन-किन कारणों की वजह से इन परियोजनाओं के लिए प्रचुर वित्तीय प्रबन्ध होने के बावजूद इन्हें समय पर पूरा नहीं किया जा सका है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) से (ग) विदेशी वित्तीय सहायता से वर्ष 1993-94 के दौरान निर्माणाधीन 37 विद्युत परियोजनाओं के ब्यौरे और विलम्ब के कारण विवरण में दिए गए हैं ।